2014

ELECTIVE HINDI

(Hindi Kavyadhara)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) किस भाषा में 'विद्यापति-पदावली' की रचना की गई है?

(ख) 'रसिकप्रिया' के कवि कौन हैं?

(ग) बिहारी द्वारा रचित कृति का नाम क्या है?

(घ) घनानन्द किस मुगल सम्राट के दरबार में मुंशी थे?

(ङ) धृतराष्ट्र की पत्नी का नाम क्या था?

(च) कर्ण को राधेय नाम से क्यों जाना जाता है?

(छ) कबीर के गुरु कौन थे?

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) विद्यापति की दो भाषिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'संगति दोष' के सम्बन्ध में बिहारी ने क्या कहा है?

(ग) क्षत्रिय की क्या विशेषता होती है?

(घ) कबीर की भाषा कैसी थी?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' क्यों कहा जाता है?

(ख) "इन्द्र जिमि जंभ पर, बाड़व सुअंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुल राज है।" —का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'निज भाषा उन्नति' शीर्षक कविता का मूल स्वर क्या है?

(घ) 'दिनकर' जी किसको नमन करना चाहते हैं?

(ङ) मीराँबाई की काव्य-रचना पर प्रकाश डालिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

कहत, नहट, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरै भौंन में करत हैं, नैननु ही सब बात॥

अथवा

तू कुरुपति का ही नहीं प्राण।
नरता का है भूषण महान्॥

5. बिहारी की शृंगारिक भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 10

अथवा

'टूटा पहिया' शीर्षक कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

6. 'रश्मिरथी' काव्य की विशेषताओं का आकलन कीजिए। 10

अथवा

'अकाल और उसके बाद' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

★★★